RAISING AWARENESS OF DEVELOPMENTAL LANGUAGE DISORDER

डेवलपमेंटल लैंग्वेज डिसऑर्डर (विकासात्मक भाषा विकार)

तथ्य पत्रक

विकासात्मक भाषा विकार (डीएलडी) के बारे में तीन महत्वपूर्ण बातें, जिन्हें आपके लिए जानना आवश्यक है-

१. विकासात्मक भाषा विकार उसे कहते हैं जब किसी बच्चे या वयस्क को भाषा बोलने और / या समझने में कठिनाइयाँ होती हैं।

२. विकासात्मक भाषा विकार (डीएलडी) एक छिपी हुई अक्षमता है जो १४ में से लगभग १ बच्चे को प्रभावित करती है। इसका प्रभाव बच्चे की पढ़ने-लिखने की योग्यता, सीखने की क्षमता, मित्रता एवं भावनात्मक विकास पर पड़ता है।

३. वाक्-भाषा चिकित्सकों व शिक्षकों जैसे पेशेवरों की सहायता से वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

विकासात्मक भाषा विकार (डीएलडी): नैदानिक शब्दावली, आवृत्ति, कारण

• **शब्दावली पर सहमति**: नैदानिक पारिभाषिक शब्द 'डेवलपमेंटल लैंग्वेज डिसऑर्डर' के उपयोग पर सुझाव, तथा इस पर सहमति का लेखा-जोखा प्रकाशित किया गया है (बिशप et al., २०१६; २०१७) ।

• **आवृत्ति**: डीएलडी १४ में से लगभग १ बच्चे को प्रभावित करता है। हाल ही में, ब्रिटेन में हुए एक महामारी विज्ञान अध्ययन SCALES (नॉर्बरी et al., २०१६) में यह पाया गया कि ७.५% बच्चों में बिना किसी सम्बंधित रोग की अवस्था के ही डीएलडी मौजूद था।

• **कारण**: डीएलडी परिवारों में चलने वाला एक विकार प्रतीत होता है। जुड़वां बच्चों पर किए गए अध्ययन, डीएलडी पर मजबूत आनुवंशिक प्रभाव का संकेत देते हैं, लेकिन यह एक विशिष्ट परिवर्तन-करण के बजाय कई वंशाणुओं (जींस) के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है (बिशप, २००६) । "जिन बच्चों के माता-पिता उनसे बातें नहीं करते हैं, उन बच्चों को डीएलडी होता है", जैसे लोकप्रिय विचार के लिए कोई प्रमाण या समर्थन नहीं है।

• **तंत्रिका जीव विज्ञान (न्यूरोबायोलॉजी)**: अधिकांश मामलों में मस्तिष्क की क्षति का कोई प्रमाण नहीं है; मस्तिष्क के विभिन्न क्षेत्रों के आकार और 'ग्रे पदार्थ' के अनुपात में मामूली अंतर हो सकता है, लेकिन ऐसा जरूरी नहीं कि यह हर बच्चे में पाया जाए। अभी तक हमारे पास डीएलडी के लिए कोई जैविक संकेत या 'बायोमार्कर' नहीं है (लियोनार्ड et al., २००६) ।

डीएलडी: सम्बंधित कठिनाइयां

• **अन्य अवस्थाओं के साथ संबंध**: डीएलडी सामान्यतः एडीएचडी और डिस्लेक्सिया के साथ पाया जाता है। मध्यम स्वलीनता (माइल्ड ऑटिज़्म) के साथ इसकी मौजूदगी पर पर्याप्त विचार-विमर्श हो चुका है (बिशप, २००८)। बहुत से बच्चों में ऑटिज़्म के कारण होने वाली सामाजिक दिक्कतों के विशिष्ट लक्षण नहीं पाए जाते, लेकिन कुछ में ऑटिज़्म के हलके लक्षण पाए जाते हैं। हालांकि, ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों बनाम डीएलडी से प्रभावित बच्चों, के लिए मौजूदा उपलब्ध सहायता में सुस्पष्ट अंतर है। यह अंतर बालिग अवस्था तक बना रहता है, यद्यपि डिस्लेक्सिया और ऑटिज़्म दोनों अभिज्ञात विकलांगताएं हैं, तथापि डीएलडी के बारे में बहुत कम जागरूकता है।

• **साक्षरता एवं शैक्षणिक लाभ**: डीएलडी और डिस्लेक्सिया के बीच घनिष्ठ संबंध है (बिशप और स्नोलिंग, २००४)। डीएलडी से प्रभावित अधिकांश बच्चों में डिस्लेक्सिया के लक्षण पाए जाते हैं (मैकआर्थर et al., २०००)। किसी भी लिखित पृष्ठ को ऊंची आवाज व स्पष्टता से पढ़ पाने के बावजूद बच्चे में उसके द्वारा पढ़ी जा रही पंक्तियों को समझने में कठिनाइयां हो सकती हैं (स्टोथर्ड et al., २०१०)। ऐसी समस्याओं को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, और समझने में विफलता को शिक्षकों द्वारा शरारत या असावधानी के रूप में देखा जाता है। शिक्षकों को उनके प्रशिक्षण में डीएलडी के बारे में जानकारी नहीं दी जाती है।

• **साथियों के साथ सामाजिक कठिनाइयाँ**: स्वयं को धाराप्रवाह रूप से व्यक्त करने में सक्षम होना और दूसरों की कही गई बातों को जल्दी से समझ पाना सामाजिक संबंधों पर एक बड़ा प्रभाव डाल सकता है। मैनचेस्टर लैंग्वेज अध्ययन में यह पाया गया कि डीएलडी से प्रभावित ४०% लोगों को १६ वर्ष की आयु तक अपने साथियों के साथ बातचीत करने में कठिनाइयां आयीं (सेंट क्लेयर, पिकल्स, डर्किन और कोंटी-राम्सडेन, २०११), १६ वर्ष की आयु के ५०% किशोरों को अपने बचपन में साथियों द्वारा तंग किये जाने की घटनाएं याद होती हैं (सामान्य तरीके से विकसित हो रहे बच्चों की तुलना में २५% से भी कम) और १३% ने अपने बचपन से ही लगातार अपने साथियों द्वारा सताए जाने का अनुभव किया है (नॉक्स एंड कोंटी-राम्सडेन, २००३)। वयस्कों और साथियों में डीएलडी की बेहतर समझ होने से इन नकारात्मक परिणामों से बचा जा सकता है।

डीएलडी: रोजगार और मानसिक स्वास्थ्य

• **रोजगार**: डीएलडी को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है क्योंकि वयस्क होने पर यह बेरोजगारी एवं आत्मनिर्भरता में कमी को बढ़ा सकती है (कोंटी-राम्सडेन और डर्किन, २००८)। फिर भी, जिन लोगों में कम समस्या होती है वे रोजगार करते हैं, परन्तु वह रोजगार ज्यादातर अपेक्षाकृत अकुशल प्रकृति का होता है (व्हाइटहाउस et al., २००९)। विद्यालयों में डीएलडी की बेहतर पहचान होने से बच्चों में विभिन्न कौशल क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, ताकि यदि वे पारंपरिक शैक्षणिक क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तब भी उनकी अवहेलना नहीं की जाए।

• **मानसिक स्वास्थ्य**: मध्यम डीएलडी वाले बच्चों में कम कठिनाइयां दिखाई देती हैं। इसके विपरीत, लगभग दो तिहाई (६४%) बच्चों में उपस्थित भाषा विकार के साथ कुछ बाहरी आचरण-विकार (उदाहरण के लिए चाल-चलन की समस्याएँ: आक्रामकता या 'अन्य बच्चों के साथ लड़ाई') और/या आंतरिक विकार (जैसे निर्लिप्तता: एकान्त में रहना, अकेले खेलना) दिखते हैं (कोंटी-राम्सडेन और बोटिंग, २००४)। सौभाग्य से, ये कठिनाइयाँ अक्सर किशोरावस्था में हल हो जाती हैं (सेंट क्लेयर et al., २०११), फिर भी सामान्य तरीके से विकसित हो रहे साथियों की तुलना में डीएलडी वाले युवाओं में अवसाद के लक्षण ढाई गुना अधिक होते हैं (कॉन्टी- राम्सडेन और बॉटिंग, २००८)। बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अधिकांशतः 'टॉकिंग थैरेपी' (यानी बातचीत करके समस्या का निदान करना) का इस्तेमाल होता है परन्तु डीएलडी वाले बच्चों के लिए यह उपयुक्त नहीं है।

डीएलडी: हस्तक्षेप (निदान एवं उपचार)

• **हस्तक्षेप (निदान एवं उपचार)**: उपचार प्रभावी होने के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता और पर्याप्त अवधि का होना चाहिए - भरोसा देने वाले हस्तक्षेपों की संख्या तेजी से बड़ाई जा रही है (लॉ et al., २०१५)। निस्संदेह, विद्यालयों में ठोस रूप से संगृहीत परीक्षणों में देखा गया है कि प्रशिक्षित और समर्थ शिक्षण सहायकों द्वारा दिए गए हस्तक्षेपों से भाषा (फ्रिक et al., २०१३; २०१७) और साक्षरता (बॉयर-क्रेन et al., २००८) में महत्वपूर्ण लाभ लाया जा सकता है। कुछ बच्चों को उन कठिनाइयों के लिए दीर्घकालिक सहारे की आवश्यकता हो सकती है जो हस्तक्षेपों के बावजूद भी मौजूद रहती हैं (बॉयल et al., २०१०)। कई शोधों में पाया गया है कि भाषा की समझ से जुड़ी कठिनाइयों वाले बच्चों के साथ हस्तक्षेप करने में विशेष कठिनाइयां होती हैं।

डीएलडी: सार्वजनिक मान्यता और RADLD अभियान

• **इतिहास और शब्दावली:** बच्चों की भाषा से जुड़ी समस्याओं को लगभग २०० वर्षों से समझा जा रहा है (गॉल, १८२२)। अनुसंधानों और प्रयोगों में इनके लिए 'डेवलपमेंटल अफेज़िया' मूल शब्द था, लेकिन बाद में कई अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया गया है (जैसे- विशिष्ट भाषा क्षति, प्राथमिक भाषा कठिनाई) (डॉक्रेल, २००६)। 'डेवलपमेंटल लैंग्वेज डिसऑर्डर' शब्द कई वर्षों से प्रचलित है, लेकिन २०१७ में प्रकाशित नई संस्तुतियां इस शब्दावली के उपयोग से सम्बंधित स्पष्ट दिशा-निर्देश देती हैं और समझाती हैं कि यह अन्य शब्दावली के ऊपर क्यों पसंद की जाती है।

• **डीएलडी की सार्वजनिक मान्यता में सुधार की आवश्यकता:** इस विकार के बारे में सार्वजनिक जागरूकता कम है, डीएलडी की आवृत्ति और तीव्रता पर हुए कम शोध भी इस बात को प्रदर्शित करते हैं (बिशप, २०१०) । RADLD (पूर्व में RALLI) अभियान ने यूट्यूब चैनल, वेबसाइट और अन्य सहायक संसाधनों के माध्यम से डीएलडी के बुनियादी तथ्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लड़ाई लड़ी है।